भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1630

जिसका उत्तर 2 मार्च, 2020/12 फाल्गुन, 1941 (शक) को दिया गया

बैंक कर्मचारियों द्वारा हड़ताल

1630. श्री जी॰ सेल्वमः
श्री जी॰एस॰ बसवराजः
श्री विनायक भाऊराव राऊतः
श्री पी॰ सी॰ गद्दीगौदरः
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
डॉ॰ हिना विजयकुमार गावीतः
श्री गौतम सिगामणि पोनः
श्री धनुष एम॰ कुमारः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी संघ देशव्यापी हड़ताल पर गए हैं;

(ख) यदि हां, तो बैंकों की यूनियन/संघों की मांगों का ब्यौरा क्या है और बैंकिंग क्षेत्र पर उनके क्या प्रभाव हैं तथा ऐसी हड़तालों से सरकार को हुई अनुमानतः कितनी हानि हुई है;

(ग) क्या सरकार ने हड़ताली बैंक कर्मचारियों की मांगों पर विचार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने संपूर्ण देश में ग्राहकों की दैनिक दिनचर्या में बाधा डालने वाली बैंकों की भावी हड़तालों को रोकने के लिए कोई निर्णय लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं एवं इस संबंध में सरकार की क्या राय है; और

(ङ) भविष्य में ऐसी हड़तालों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (ङ.): सरकारी क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के कुछेक कर्मचारी संघों ने, अन्य बातों के साथ-साथ, वेतन संशोधन समझौते, पांच दिवसीय बैंकिंग, पेंशन लाभ आदि में सुधार की मांग सहित अपनी नौकरी की स्थितियों से संबंधित मांगों के समर्थन में दिनांक 31.1.2020 और 1.2.2020 को हड़ताल पर गए थे। नौकरी से संबद्ध स्थिति से संबंधित मामलों पर उन बैंकों द्वारा स्वयं विचार किया जाता है, जिनके प्रबंधन भी इस संबंध में कर्मचारी संघों से निरंतर सीधे सम्पर्क करते रहते हैं। इस प्रकार की मांग का प्रभाव केवल मांग को स्वीकार करने की स्थिति में महसूस किया जाता है। कर्मचारी संघ द्वारा हड़ताल का आह्वान किए जाने की स्थिति में, बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संघ आपसी बातचीत के माध्यम से मुद्दों के समाधान की कोशिश करते हैं। बैंक हड़ताल की अवधि के दौरान सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त कदम उठाते हैं, ताकि ग्राहक और व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। सरकार भी बैंकों को हड़ताल के दौरान बैंकिंग परिचालन बनाए रखने के लिए उपयुक्त कदम उठाने और एटीएम में पर्याप्त नकदी डालने सहित समाशोधन हाउस, इंटरनेट बैंकिंग और कोर बैंकिंग समाधान इत्यादि का परिचालन सुनिश्चित करने की सलाह देती है ताकि आम जनता को कोई असुविधा न हो।

हानि के संबंध में, यह कहा गया है कि पीएसबी ने चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तीन तिमाहियों में 507 करोड़ रुपए का निवल लाभ दर्ज किया है।

***